

शोध मंथन

हिन्दी शोध (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालयविज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरुष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरुपरक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्चस्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

सम्पादक:

डॉ० (के०) अन्जुला राजवंशी,
एसो० प्रो०, आर० जी० पी०जी० कॉलेज, मेरठ

सम्पादकीय समिति

प्रो० श्रीकांत मिश्रा, विभाग प्रमुख, दर्शनशास्त्र, ए पी एस विश्वविद्यालय, रेवा
डॉ० सुनीता बडोला, एच० एन० ब०, गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर
डॉ० विशेष गुप्ता, सेवानिवृत्त प्रो०, एम०एच०पी०जी० कॉलेज, मुरादाबाद
डॉ० सत्यवीर सिंह, असि० प्रो०, समाजशास्त्र विभाग, चौ० जी० एस० गर्ल्स डिग्री कालिज, सहारनपुर
डॉ० विनोद कालरा, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, कन्या महाविद्यालय, जालन्धर
डॉ० अनामिका, असि० प्रो०, एन० के० बी० एम० जी० पी०जी० कॉलेज, चंदौसी
डॉ० पूजा खन्ना, असि० प्रो०, मुरादाबाद मुस्लिम डिग्री कॉलेज, मुरादाबाद
डॉ० कामना कौशिक, असि० प्रो० ए सी० एम० के० नेशनल पी० जी० गर्ल्स कॉलेज, सिरसा हरियाणा
श्रीमति कीर्ति देवी रामजतन, महात्मा गान्धी इंस्टीट्यूट, मोरिशस

• Managing Editor - Vishal Mithal

- शोध मंथन त्रि-मासिक जर्नल है।
- शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।
- शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।
- प्रकाशित सामग्री का कॉपी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।
- अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई-मेल के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजे।
- सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
- **Authors are solely responsible for the any case of plagiarism.**

Published by ANU BOOKS in support of
KAILBRI INTERNATIONAL EDUCATIONAL TRUST
Printed by D.K. Fine Art Press Pvt. Ltd., New Delhi.

हमारे यहाँ लेख प्रकाशित करने का कोई मूल्य नहीं लिया जाता है।

Subscription

India	Rs. 750.00 प्रति अंक	Rs. 3000.00 वार्षिक
Foreign	\$75.00	\$ 300.00 वार्षिक

शोध मंथन
हिन्दी शोध पत्रिका

A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi

Vol. XI No. 4

Oct-Dec. 2020

<https://doi.org/10.31995/shodhmanthan>

अनुक्रमणिका

- | | | |
|-----|--|---------|
| 59. | श्री लंका की रामलीला के प्रकार
डॉ० वजिरा गुणसेन | 389-393 |
| 60. | उत्तराखण्ड में कृषि का विविधिकरण एक आर्थिक सूक्ष्म विश्लेषण
डॉ० महेश कुमार | 394-402 |
| 61. | भारतीय समाज में महिलाओं की प्रस्थिति एवं चुनौतियों –
एक समाजशास्त्रीय विवेचन
डॉ० (श्रीमती) मोहिनी मौर्य | 403-414 |
| 62. | हिन्दी के प्रचार-प्रसार में प्रादेशिक हिन्दी सेवी संस्थाओं
की भूमिका
डॉ० शालिनी सिंह | 415-421 |
| 63. | कृपयाधारित क्षेत्र में महिला कर्मकारों की समस्याएँ एवं
अधिकार बनाम महिला सशक्तिकरण
डॉ० किरान फात्मा | 422-424 |
| 64. | संवर्धित भारत: संपर्कित भारत
डॉ० राकेश राय | 425-433 |
| 65. | बहादुर शाह ज़फर की शायरी में राष्ट्रीय चेतना
डॉ० समन ज़हरा ज़ैदी | 434-439 |
| 66. | वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य में गोस्वामी तुलसीदास जी के
चिंतन की प्रासंगिकता
डॉ० अमर जीत सिंह परिहार, डॉ० अरुणा सिंघल | 440-444 |

67. नारी जाति के उदारक के रूप में केशव चन्द्र सेन की भूमिका
डा० वन्दना सैम्लटी, श्रुति 445-448
68. महात्मा गाँधी एवं डॉ० भीमराव अम्बेडकर के दार्शनिक
विचारों का तुलनात्मक अध्ययन
डॉ० अदिती गोस्वामी, श्रीमती आराधना कुमारी 449-453
69. जल 'एक संकट'
डॉ० अनिता प्रकाश, कु० विक्टोरिया 454-462
70. हरियाणा राज्य में ग्रामीण-नगरीय स्त्री-पुरुष अनुपात में
भिन्नता का स्थानिक एवं कालिक विश्लेषण
अल्का शर्मा, प्रो० नूतन त्यागी 463-469
71. सिद्धार्थनगर जनपद (उ०प्र०) में भूमि उपयोग प्रतिरूप
जवाहिर लाल 470-477
72. औपनिवेशिक भारत में आधुनिक शिक्षा का प्रभाव
कंचन कुमारी 478-483
73. कुपोषण एवं ग्रामीण समाज में संतुलित भोजन की आवश्यकता
प्रियंका सिंह 484-491
74. शारीरिक एवं व्यक्तित्व विकास में प्रोटीन का महत्व
रूपा सिंह 492-495
75. सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र-निर्माण
सहाम हुसैन 496-501
76. "प्रजा परिषद् के जम्मू-कश्मीर आन्दोलन में
डॉ० श्यामाप्रसाद मुखर्जी की भूमिका"
संजीव कुमार 502-509
77. महिला पुलिस : एक कल्याणकारी भूमिका
सुमन कुमार 510-515
78. कोरोना वायरस (कोविड-19) से सुरक्षा हेतु लगाये गये
लॉकडाउन का भारतीय जनजीवन पर प्रभाव: एक विश्लेषण
स्वाति सक्सेना 516-522
79. नारी की प्रजनन सम्बन्धी समस्याएं:
चित्रा मुद्गल के उपन्यासों के विशेष सन्दर्भ में
अमित जैन 523-535

80. लोकतान्त्रिक देशों में राजनीतिक सहभागिता बढ़ाने में जनसंचार माध्यमों की भूमिका
डा० विकास चन्द वशिष्ठ, विजय कुमार 536–541
81. नगर में स्थित जलाशयों का भौगोलिक विश्लेषण: समस्याएँ एवं चुनौतियाँ
विष्णु 542–550
82. मेवाड़ चित्रण परम्परा में नारी सौन्दर्य
कु० रीना 547–557
83. मध्यकालीन भारतीय समाज में 'पर्दा प्रथा': मुगल काल के विशेष संदर्भ में एक विश्लेषण
डा० प्रवीण चौधरी 558–562
84. वृद्धजनों के बीच पारिवारिक एवं सामाजिक अनुकूलन का एक अध्ययन
डा० विशेष कुमार गुप्ता, कविता गुप्ता 563–569
85. भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनाव
सुरेन्द्र कुमार 570–581
86. राष्ट्रीय एकता में संगीत की भूमिका
डॉ० संगीता गोरंग 582–586
87. प्रसाद के काव्य में सार्वभौम भावना और विश्व-मानवता के कल्याण के स्वर
डॉ० कल्पना माहेश्वरी 587–591